

सुप्रभात

रांची, गुरुवार

22.06.2023

* नगर संस्करण | पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



पंचायती राज, राजस्व, वित्त एवं खाद्य आपूर्ति विभाग अंतर्गत 2,550 पद हेतु नियुक्ति पत्र वितरण समाप्त होह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष अतिथि

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज तथा संसदीय कार्य विभाग

डॉ. दमेश्वर उर्ध्व

माननीय मंत्री, योजना एवं विकास, वित्त, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग

श्री सत्यानंद भोजा

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग

नियुक्तियों का विवरण -

पंचायती राज विभाग अंतर्गत

1,633 पंचायत सचिव

राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग अंतर्गत

707 निम्न कर्मीय लिपिक

वित्त विभाग अंतर्गत

166 निम्न कर्मीय लिपिक

खाद्य आपूर्ति विभाग अंतर्गत

44 निम्न कर्मीय लिपिक

दिनांक : 22 जून, 2023 | समय : अपराह्न 01:00 बजे

स्थान : मोरहाबादी मैदान, रांची

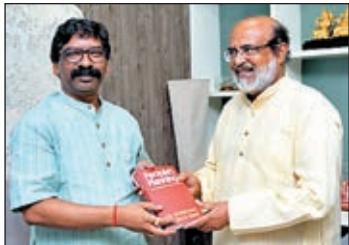
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार



खबर

एक नजर में

सीएम से मिले केरल के पूर्व वित्त मंत्री



रांची। मुख्यमंत्री हेतु सोने से बुधवार को कांके रोड रायी रित्यां में केरल के पूर्व वित्त मंत्री थीं। इसका एक पूर्व मुख्य सचिव केरल एसपी विजयनदं ने मुलाकात की। संयुक्त रूप से उहोंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वे झारखंड भ्रमण पर हैं। उहोंने मुख्यमंत्री के साथ राज्य में विकास की सभावनाओं को लेकर कुछ अहम सुनाव साझा किया। इस अवसर पर उहोंने मुख्यमंत्री हमत सोने की पीपुल्स लाइंग पुस्तक स्पेम भेट की। मोके पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, दंबां डाले भी उपस्थित थे।

राज्य के स्कूलों में आज से पढ़ाई शुरू

रांची। गर्मी छुट्टी के बाद आज गुरुवार से राज्य के स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो जायेगी। पहली से 8वीं तक की कक्षाएं बुधवार तक गर्मी छुट्टी के कारण बंद कर दी गयी थी। हालांकि सूनाव के अभाव में बुधवार को भी बारिश से भीगकर कुछ बच्चे स्कूल पहुंच गये थे। वहीं बच्चे स्टॉप पर भी खड़े देखे गये। हालांकि बाद में जानकारी मिलने के बीच सभी बारिश अपने घर लौट गये।

रांची जिला कांग्रेस कमिटी की अनुशासन समिति गठित
रांची। रांची जिला कांग्रेस कमिटी में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के अनुशासन से संबंधित मामलों से निपटने के लिए एक अनुशासन समिति का गठन किया गया है। कमिटी में नाशेंद्र नाथ गोसाइयां को अध्यक्ष तथा सदन साहू, अंशोक मिश्र, विनोद कुमार सिंह एवं अंकलीमा खातून को सदन्य बनाया गया है। यह जानकारी रांची जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह कार्यालय प्रभारी संजय कुमार ने दी।

सारंडा जंगल में अवैध खनन मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी प्रगति रिपोर्ट

रांची। सारंडा के जंगल में अवैध खनन और प्रदूषण के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार को प्रगति रिपोर्ट प्राप्त करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से प्रगति रिपोर्ट दायित्व करने के लिए एक समय देने का आग्रह किया गया, जिसे अदालत ने खींकार कर लिया। अदालत ने सरकार से यह बताने को कहा है कि सारंडा में रखे हुए खनिज पदार्थों को हटाया गया है या नहीं। सारंडा के जंगल में अवैध खनन से हो रहे प्रदूषण के खिलाफ संघर्षक सरयू राय ने जनहित याचिका दायर की है।

विभावि में वीसी कोटे से नामांकन पर रोक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को एक समाले की सुनवाई करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने विनोद भावे यूनिवर्सिटी में चल रहे हुए बड़ा वांसलर कोटे से दो सीटों के नामांकन पर तत्काल प्राप्त करेंगे। यूनिवर्सिटी में चल रहे हुए बड़ा वांसलर कोटे को आग्रह किया गया है। यूनिवर्सिटी में नाशेंद्र नाथ गोसाइयां को अध्यक्ष तथा सदन साहू, अंशोक मिश्र, विनोद कुमार सिंह एवं अंकलीमा खातून को सदन्य बनाया गया है। यह जानकारी रांची जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह कार्यालय प्रभारी संजय कुमार ने दी।

मांगें जल्द नहीं पूरी हुई तो आंदोलन : झासा

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ झासा ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों के प्रति संवेदनशील रुख नहीं अपनाती है, तो संघ आंदोलन करने को बाध्य होगा। संघ की ओर से बताया गया कि आंदोलन की रामांती अगली बैठक में तक की होगी। झासा कार्यकर्ताओं की अपाली बैठक में तक की जाएगी। और उसमें अंदोलन की रामांती तक की जाएगी।

क्या है संघ की मांगें ? - राज्य प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सर्विस धोषित की जाए। झारखंड प्रशासनिक सेवा के लगभग 300 पदाधिकारियों को प्रोन्ट पद परस्थितन हो। सारों वेतन आयोग की अनुशासा को लागू करने के लिए गठित फिटमेंट कमेटी की अनुशासा की स्वीकृति संबंधी अधिसूचना जारी हो। झारप्रसे के सभी पदाधिकारियों का कार्यक्रम विधाया से पहचान पत्र निर्गत हो। प्रशासनिक पदाधिकारियों के विरुद्ध विधायी कार्रवाई के लिए पूर्व निर्धारित नियमों एवं समय सीमा का अनुपालन हो और पदस्थान के लिए प्रतीक्षारत पदाधिकारियों का पदस्थान किया जाए।

बीआईटी मेसरा में नये सत्र से होगी बीएससी इन केमिस्ट्री एवं फूड इंजीनियरिंग की पढ़ाई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत शुरू किये जा रहे दोनों कोर्स

खबर मन्त्र व्यू



सकेंगे।

बीआईटी मेसरा में यह पहला कोर्स होगा जो एनईपी के अनुसार संचालित होगा। इसके लिए 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे।

जोसा से मिलेगा फूड

इंजीनियरिंग में दाखिला : फूड इंजीनियरिंग बीटेक का नया कोर्स है। इसमें जोसा काउंसिलिंग के संचालित होगा। इसके लिए 8 सेमेस्टर और चार वर्षीय बीटेक कोर्स के बीच में भी छोड़ कर सकेंगे। यह कोर्स केमिकल

रांची सिटी

मंत्री हफीजुल होंगे पासवा के छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि

रांची। पासवा का छात्र प्रतिभा समान समारोह 10 जुलाई को राज्य के सभी सभी बड़े इनडॉर स्टेडियम हरिकंठ टाना भागत इनडॉर स्टेडियम खेल गांव में होगा। इसके लिए एक राज्य इंटर की परीक्षा सीबीएसई आईसीएसई ग्राहकों के साथ बीकौंप की एचएनआइ ग्राहक बीकौंप के दौरान क्षेत्र महाप्रबंधक राजके सहगल 10 खातों के लिए।

कुल 35,45 करोड़ रुपये का ऋण स्थीरित पत्र वितरित किया। क्षेत्र महाप्रबंधक महाप्रबंध ने एक-एक कर सभी एवरएनआइ ग्राहकों के साथ बातचीत की एवं उनकी अपेक्षाओं का संदर्भ लिया। कार्यपाल के दौरान इडियन बैंक के सभी उत्पादों के बारे में सक्षिप्त जानकारी दी गई।

पटेल बीएट कॉलेज में योग दिवस का हुआ आयोजन

रांची। पटेल बीएट कॉलेज, लोधा के प्राणगण में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर प्रायग्राम औं अनुषुआ कृष्णराजी ने योग के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बत्तमान समय में जरूरी है इस काले लिए योग बहुत जरूरी है। इस प्रथम सुनीत खलबो, द्वितीय अमीसा राज, तृतीय अंजलि कुमारी रही। इस मौक पर छात्र-छात्राओं ने अपने भाषण के माध्यम से अपनी बात रखी। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योगायास कराया गया।

आएसए पाउडेशन ने मनाया योग दिवस

रांची। आएसए पाउडेशन द्वारा बुकुल, रांची में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मौके पर योग प्रशिक्षक ने कहा कि योग हास्पर शरीर एवं मस्तिष्क को तंदुरुस्त बनाता है। नितिर योगायास के मनुष्य विभिन्न रोगों से दूर रहता है। अतः मौके पर योग अस्याताल के लिए योग बहुत जरूरी है। इस मौके पर पारस अस्याताल के लिए योग की अनुमति प्रदान कर दी है।

पारस अस्याताल में मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रांची। पारस अस्याताल रांची में विकिलोकों सहित पूरी टीम ने बुधवार की दिन की शुभांगी योग से बढ़ावा दिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर अस्याताल की पूरी टीम में नवी ऊजाँ औं उत्साह देखने की मिली। पारस अस्याताल के फेसिलिटी डायरेक्टर ऊजाँ शुभांगी कुमार ने इस प्रथम योग दिवस की अभ्यास करने लगे हैं। इस अवसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई। अतः मौके पर योग अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

जेआरी बी बैंक ने किया योग शिविर का आयोजन

रांची। अवसर पर योग दिवस के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई। अतः मौके पर योग अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

स्काट गाइड कार्यालय में किया गया योगायास

रांची। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई। अतः मौके पर योग अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

आचार्यकुलम परिसर में मना योग दिवस

रांची। आचार्यकुलम विद्यालय के परिसर में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें सभी शिक्षक-शिक्षिका, विद्यार्थी औं अधिकारियों ने बहु-बहु भगवान देखने की मिली। इसमें प्रायग्राम कार्यालय परिसर में योग शिविर का आयोजन किया। इसमें प्रायग्राम कार्यालय परिसर के सभी स्टॉफ़ सदस्यों ने हिस्सा लिया। शिविर में प्रायग्राम और विभिन्न आसन कराये गये। साथ ही, योग के कार्यों को देखने के लिए बताया गया। प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से योग द्वारा तात्त्व प्रबन्धन के लिए मानदंडिन किया गया। इस अवसर पर बैठक के अध्यक्ष पीयूष भट्ट योग के लिए प्रकाश दाला। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त लिला ग्रेस ने योगायास संचालन में सहयोग किया। असरिता मिज ने योगायास के लिए व्यवस्था में योगायास दिया।

शारदा ज्ञालोबल में योगायास का हुआ अभ्यास

रांची। शारदा ज्ञालोबल स्कूल में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यार्थियों को विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। विद्यालय की डायरेक्टर (एकेडमिक्स) डॉ रंजना स्वरूप एवं प्राचार्यी जस्मीत कौर ने कहा कि योग भारतीय संस्कृत की एक ऐसी प्राचीन क्रिया है। कहा कि योग सभी विद्यार्थियों को सहायता करता है। योग का अभ्यास करने के लिए योग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस स्कूल के सफल आयोजन की सराहना की।

शारदा ज्ञालोबल में योगायास का हुआ अभ्यास

रांची। शारदा ज्ञालोबल स्कूल में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यार्थियों को विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। विद्यालय की डायरेक्टर (एकेडमिक्स) डॉ रंजना स्वरूप एवं प्राचार्यी जस्मीत कौर ने कहा कि योग भारतीय संस्कृत की एक ऐसी प्राचीन क्रिया है। कहा कि योग सभी विद्यार्थियों को सहायता करता है। योग का अभ्यास करने के लिए योग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस स्कूल के सफल आयोजन की सराहना की।

शारदा ज्ञालोबल स्कूल में योगायास का हुआ अभ्यास

रांची। शारदा ज्ञालोबल स्कूल में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यार्थियों को विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। इसमें प्रायग्राम कार्यालय परिसर के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

जीआरी बी बैंक ने किया योग शिविर का आयोजन

रांची। जीआरी बी बैंक ने कहा कि योग शिविर का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

जीआरी बी बैंक ने किया योग शिविर का आयोजन

रांची। जीआरी बी बैंक ने कहा कि योग शिविर का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

जीआरी बी बैंक ने किया योग शिविर का आयोजन

रांची। जीआरी बी बैंक ने कहा कि योग शिविर का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

जीआरी बी बैंक ने किया योग शिविर का आयोजन

रांची। जीआरी बी बैंक ने कहा कि योग शिविर का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंसर पर योग दिवस की शुभांगी कुटुंबकम के लिए योग है। वसुचैव कुटुंबकम का अर्थ है पूरी घरी हमारा परिवार है। इस मौके पर पारस अस्याताल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभांगी हो गई।

सरला बिरला स्कूल में मना योग दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता



गया। योग प्रदर्शन में विद्यालय के

प्रधानाचार्य एवं अन्य कार्यक्रम के लिए योग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए योग का अभ्यास करने की जानकारी दी गयी। योग का अभ्यास करने के लिए योग के बारे में जागरूकता फैलाने की जानकारी दी गयी।

योग का अभ्यास करने के लिए योग के बारे में जागरूकता फैलाने की जानकारी दी गयी।

योग



खबर

मृत कैदी के परिजन को सात लाख का मुआवजा
रांची। मानवाधिकार आयोग के अंदरश पर मृत कैदी के परिजन को सात लाख का मुआवजा मिलेगा। इसको लेकर गृह विभाग के महालेखाकार को निर्देश दिया गया है। गुमला जिले के बैचूर के रहने वाले विवाहित कैदी बालेश्वर गोप की 17 दिसंबर 2019 को गुमला जेल में मौत हो गयी थी। इस मामले में मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर उनकी पती परीति लीलाती देवी को आर्थिक सहायता के लिए सात लाख की भुगतान किया जाएगा।

पति की हत्या के आरोप में पती को उम्रकैद

रांची। अपर न्यायालूक मनीष रंजन की अदालत ने पति की हत्या के जुर्म में चाहो निवासी पती मरियम एवं कैदी उम्रकैद मरियम टोप्पा (41) को दोषी पाकर उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर अपने पति मरियमसुन टोप्पा की हत्या करने का आरोप था। अभियुक्त ने घटना का 31 जून 2019 को दिया था। हत्या के पीछे कारण कहा है कि पति-पती के बीच अंतर इमारत होता रहता है। घटना के दिन शराब के नशे में धूत पति-पती के बीच विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि मरियम की नौबत आ गई थी। पती ने घर में रखा हथौड़ा से पति के सिर पर वार किया। जिससे पौके पर उसकी मौत हो गई थी।

जगन्नाथपुर महोत्सव में भजन और गजलों का आनंद ले रहे दर्शक, 29 तक होंगे कार्यक्रम

रांची। कला संस्कृति, खेलखेड़ एवं युगा कार्य विभाग की ओर से जगन्नाथपुर महोत्सव में 20 से 29 जून तक सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी

के तहत मशहूर गायिका डॉ मृगालिनी अखोरी ने अपनी पूरी टीम के साथ भजन एवं गजलों की प्रस्तुती दी। कार्यक्रम में डॉ मृगालिनी अखोरी के साथ संजीव कुमार पाठक ने तबले पर शानु मुखजी ने गिटार पर सोरंध कुमार ने अंगीन पर और अभिजीत बोस ने ऑफिशियल पर संतान किया। कार्यक्रम में विभाग के उपनिवेशक सुरेन्द्र कुमार और संयोजक जयकांत और चंद्रेश भी उपस्थित थे।

स्लॉटर हाउस में ही मासं काटने के आदेश पर सुनवाई पूरी, फैसला 19 को जुलाई की

रांची। कांके के स्लॉटर हाउस (पशु वधशाला) में ही पशु को लेकर जाकर काटने के नगर निगम के अंदर के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख दिया है। जरिस्टर्स राजेश शक्तर की अदालत 19 जुलाई को फैसला सुनाएगी। इस संबंध में कुरुशी पांचवां ने याचिका करायी है। याचिका में कहा गया है कि रांची नगर निगम ने कांके में पशु वधशाला की निर्माण किया है। निगम ने एक नोटिस जारी कर मीटिंगों में बैठने का वापसी कराया है। अलग पहचान देने का काम निरंतर प्रयास किया जा रहा है। झारखेड़ के सभी लोग योग के प्रति एक

सिविल कोर्ट में डिजिटल सेवा पर दिया जा रहा जोर रांची। सिविल कोर्ट रांची के कपीलों को ई-फाइलिंग के प्रति जागरूक करने के लिए बुधवार को बार भवन में डालसा एंड जिला बार एसोसिएशन के सुयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार विद्वानी ने वकीलों को ई-फाइलिंग के सुविधाओं को अपनाएं हुए याचिका दाखिल करने का अनुरोध किया है। जिस तेजी से व्यवस्था रंजन ने कहा कि समय की मांग को देखते हुए ई-फाइलिंग के प्रयोग किया जाएगा। इसे अत्याधिकारिक बातों हुए याचिका कराया। इसे अत्याधिकारिक बातों हुए याचिका कराया।

सिविल कोर्ट में डिजिटल सेवा पर दिया जा रहा जोर रांची। सिविल कोर्ट रांची के कपीलों को ई-फाइलिंग के प्रति जागरूक करने के लिए बुधवार को बार भवन में डालसा एंड जिला बार एसोसिएशन के सुयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार विद्वानी ने वकीलों को ई-फाइलिंग के सुविधाओं को अपनाएं हुए याचिका दाखिल करने का अनुरोध किया है। जिस तेजी से व्यवस्था रंजन ने कहा कि समय की मांग को देखते हुए ई-फाइलिंग के प्रयोग किया जाएगा। इसे अत्याधिकारिक बातों हुए याचिका कराया। इसे अत्याधिकारिक बातों हुए याचिका कराया।

डीएसड़ सह डीझो से मिला शिक्षक संघ

रांची। अखिल झारखेड़ प्राथमिक शिक्षक संघ रांची इकाई का डेलिगेशन बुधवार को नवनिवारी जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला

शिक्षा अधीक्षक रांची मीटिंग शिक्षक संघ के डिजिटल सेवा पर दिया जा रहा है। याचिका में बैठने के लिए जिला बार एसोसिएशन के सुयुक्त तत्वावधान का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बैठेंद्र प्रताप, शंकर कुमार वर्मा समेत अन्य अधिकरका जौजूद थे।

संघ ने किया नये डीएसड़ का स्वागत

रांची। झारखेड़ राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ का दल जिले में नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिला

मिला। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

नियुक्ति पत्र वितरण को ले जिला प्रशासन ने तैयारियों की लिया जायेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश कुमार, सलोम सहाय, कृष्णा शर्मा, रंजीत मोहन, अक्षरसुरदीन, योगेंद्र द्विवेदी, सतीश बडाईक, राजेश तिवारी, संतोष कुमार, जुबेर अहमद, फूलेन अंसारी, भीम सिंह मुदा और मदन स्वासंसी आदि थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (जगरालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, सिंडेगा (निर्वाचन शाखा)

रांची। इस दौरान शिक्षक और शिक्षकेतर कार्यियों से संबंधित विभागीय समस्याओं को बताया। च्यागत करने वालों में अनुप केरसी, नरसीम अहमद, संतोष कुमार, हरे कृष्ण घोषी, राकेश क

यह सनातन संस्कृति का सम्मान है



गीता प्रेस गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार

मृत्युजय दीक्षित

न केवल भारत वरन् संपूर्ण विश्व में सनातन हिंदू संस्कृति का साहित्य के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने वाली संस्था गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार मिलना हिंदू सनातन संस्कृति व साहित्य के लिए गर्व और हिंदू समाज के लिए आनंद की अनुभूति का समय है। जरा सचिए कि अगर गीता प्रेस न होता तो आज हिंदू सनातन संस्कृति व परम्परा का क्या हाल हो रहा होता? एक विदेशी डाकर ए.ओ. हव्यूम तथा अंग्रेज मैकाले की शिक्षा के कुरुक्षेत्र को रोकने में अगर जिसने अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वह गीता प्रेस ही है। आज संपूर्ण विश्व में हिंदू सनातन संस्कृति को जो जयकर होती है उसमें गीता प्रेस को बड़ी भूमिका है। सभवतः यही कारण है कि आज कांग्रेस गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिये जाने की आलोचना कर रही है।

गीता प्रेस हिंदू धार्मिक ग्रंथों का विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशक है। आज हर घर तक गीता, रामायण, महाभारत तथा चार वेद और 18 पुण्य तथा गोस्यामी तुलसीदास रचित समस्त साहित्य को बेहद सस्ती दरों में पहुंचाने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह गीता प्रेस है। गीता प्रेस को समान मिलना संसाधारक जयदाल जी गोवन्दका व हनुमान प्रसाद पोदार जी जैसे महान सतों का भी समान है।

गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के सिद्धांतों, गीता, रामायण, उपनिषद, पुराण, संगीत के प्रवचन और अन्य चरित्र निर्माण की पुस्तकों और पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा अत्यंत सूक्ष्म मूल्य पर



गीता प्रेस मार्ट 2014 तक 58 करोड़ 25 लाख से अधिक पुस्तकों प्रकाशित कर

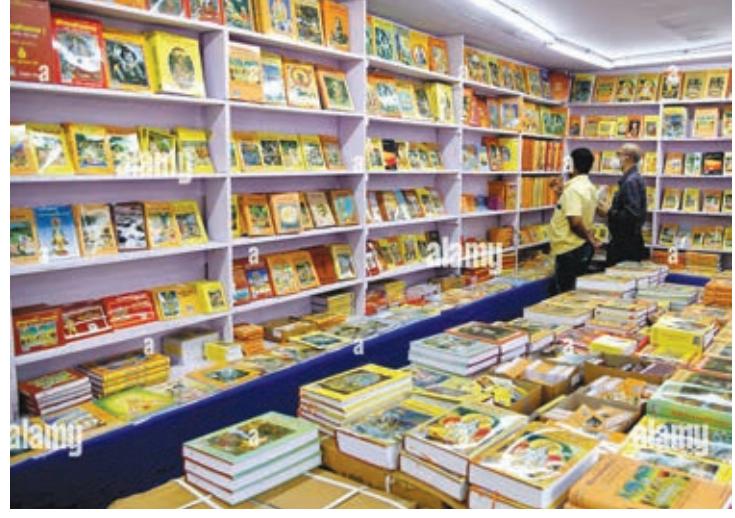
डॉ. रामकिशोर उपाध्याय

गीता प्रेस गोरखपुर को निःस्वार्थ सेवा के सौ वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र सरकार द्वारा गांधी शांति पुरस्कार 2021 दिए जाने की घोषणा से देश-विदेश में रहने वाली हिंदू समाज खुशी मना रखा है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि सैकड़ों वर्षों तक विदेशी आक्रान्त हमारे धार्मिक ग्रंथों को नष्ट करते रहे। मुहम्मदावादियों ने अधिकारों मर्दियों और पुस्तकालयों को आग लगा दी तो अंग्रेजों ने गुरुकुल बंद करके हमें अपनी जड़ों से काट दिया। यह गीता प्रेस विदेशी असहिष्णुता है कि जीवन पर्यात ईसाइशन का प्रचार करने वाली और सेवा की आड़ में धर्मान्तरण करने वाली रोमन कैथोलिक नन मदर टेरेसा को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न मिलने पर जो लोग नाच रहे थे वे गीता प्रेस के समाजनित होने पर छाती पीट रहे हैं। आखिर ये लोग भारत में भारतीय जीवन मूल्यों के लिए विरोध करने वाली हैं? जयराम संगीत जैसे लोग गीता प्रेस गोरखपुर का विरोध करके न केवल कांग्रेस की जड़ों में मड़ा डालने का काम कर रहे हैं अपितु स्वयं की भी फौजीहत कर रहे हैं।

गीता प्रेस गोरखपुर का विरोध एक गरेर पड़वांश का विद्युत है। चौंक कम्युनिस्ट लोग भारतीय धर्म, भारतीय इतिहास के द्वारा विरोध हैं इसलिये वे इसके जानी दुश्मन हैं। कम्युनिस्ट में संलग्न इसका विरोध है।

गीता प्रेस गोरखपुर का ऋणी है

पूरा सनातन समाज और देश



लोगों का विरोध तो जयजाहिर है किन्तु कुछ कांग्रेसी नेता इस विरोध का कलंक अपने और अपनी पार्टी के माध्यम से महान चाहते हैं? प्रत्येक हिन्दू कांग्रेसी कार्यकर्ता के लिए यह चिंता का विषय है। व्या के बाल वाट के लिए? जयराम संगीत जैसे लोग गीता प्रेस की जड़ों से जोड़े हुए हैं। इसलिये इसे पुस्तक की आड़ में गीता प्रेस को गांधीजी का विशेष सिद्ध करने की चाहत है। उसका चाहते हैं गीता प्रेस को गांधीजी की भावना विद्युत से जोड़े हुए हैं।

जैसे विश्व के कल्याण के साहित्य में से हिंदू गढ़ बनना दिखाई दे रहा है। कम्युनिस्ट लोग निखने और नेटिव गढ़ गढ़ने में काम कर रहे हैं किंतु इसकी विरोधी और कांग्रेसीकार्यकर्ता का सहारा लिया गया है। इस पुस्तक में कहा

ग्रेस निःस्वार्थ भाव से हिन्दू धर्म और मानवता को सेवा में लायी हुई है। यह गीता, रामायण, उपनिषद जैसे लोग कल्याण और विश्व शांति के महान ग्रंथों को सर्वे मूल्य पर घर-घर पहुंचा कर भारतीय समाज को उसकी जड़ों से जोड़े हुए है। इसलिये इसे पुस्तक की आड़ में गीता प्रेस को गांधीजी की प्रिय पुस्तक गीता, गांधीजी की इष्य पुस्तक गीता, गांधीजी की बायीं धार्मिक पुस्तक वा इनमें से कोई एक गृहणीय है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

गांधी जी के सलाह में गीता प्रेस ने किसी प्रकार का विज्ञापन नहीं छापा

द्रस्टी गीता प्रेस देवी दयाल अग्रवाल ने कहा कि गीताप्रेस की स्थापना के समय ही संस्थापक जयदाल गोवांदका ने आय के श्रोतों की व्यवस्था कर दी थी, किंतु भगवान की सेवा में कभी भी किसी तरह का विचार न आए और समाज के अंतिम व्यक्ति तक भगवान की वाणी धार्मिक पुस्तक के रूप में पहुंच सके।

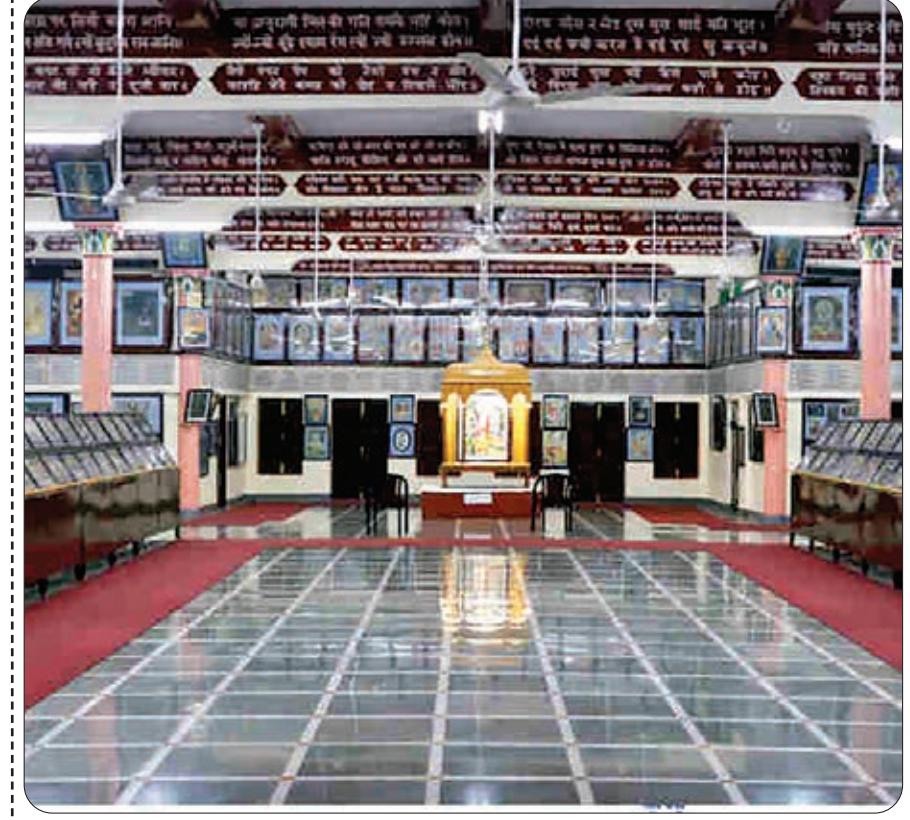
गीता प्रेस ने अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष पूरा हो चुका है। बाबूजूद इसके आज तक कभी गीता प्रेस ने विज्ञापन नहीं छापा। जब

मासिक धार्मिक पत्रिका कल्याण के प्रकाशन की वात चल रही थी तब उसके संपादक हनुमानप्रसाद पोदार को महामार गांधी ने सुझाव दिया कि इस पत्रिका में कभी विज्ञापन मत छापिए। उन्होंने पुस्तक का समीक्षा भी न छापने का सुझाव दिया था।

गीता प्रेस का नाम लेते ही हर किसी के जेहन में शुद्ध, सर्वी, आकर्षक और वैचारिक संदेश देने वाली पुस्तकें घमने लाती हैं। दरअसल, आज के वैश्विक दुर्भाग्य में सादगी, आध्यात्मिक और गैर राजनीतिक कार्य पद्धति ही गीता प्रेस की पहचान है। यही वजह है कि स्थापना काल से अब तक 100 वर्ष की अपनी रचनामूलक यात्रा में गीता प्रेस प्रबंधन ने खुद को हमेशा व्यावसायिक दृष्टिकोण से अलग रखा। अगर प्रबंधतत्र की तरीका सीधी गीता प्रेस का उपहार दिया है।

बिना लाभ और लाभ के सिद्धांत पर काम कर रही यह संस्था पूरी दुनिया में धार्मिक पुस्तकों पहुंचा रही है। बहुत ही कम लोग जानते हैं कि गीता प्रेस लागत से 30 से

गीता प्रेस ने शताब्दी वर्ष में किया 100 करोड़ के धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन, बना रिकार्ड



करता है। गीताप्रेस के संस्थापक जयदाल जी गोवांदका का कथन है कि मनुष्य को सदा सर्वत्र उत्तम से उत्तम कार्य करते रहना चाहिए। मन से भगवान का चिंतन, वाणी से भगवान के नाम का जप, शरीर से मिशन-पार्स ने खुदी रहती है। कल्याण का दर कर्मात्मक भक्ति और भजन संबंधी पुस्तकों प्रकाशित हो चुकी हैं। पुस्तकों के 80- 80 संस्करण तक प्रकाशित हो चुके हैं। अब गीता प्रेस में गीता का मूल्य एक रुपये से प्राप्तम् होता है और इसी प्रकार हनुमान चालीसा, और सुंदरकांड जैसे ग्रंथ भी

करता है। गीताप्रेस के संस्थापक जयदाल जी गोवांदका का कथन है कि मनुष्य को उपलब्ध हो जाते हैं। पुस्तकों लागत से 40 से 90 प्रतिशत कम मूल्य पर बेची जाती है। यह एक ऐसा प्रेस है जिसमें किसी जीवित व्यक्ति का चित्र या कोई विज्ञापन नहीं प्रकाशित होता है। यहाँ कुल 15 भाषाओं हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, मराठी, बंगला, उडिया, असमिया, गुरुमुखी, नेपाली और उडूगे में पुस्तकों प्रकाशित होती है। 1950 के दशक में एक पैसे का छोटा गुटका गीता प्रेस ने खुद को हमेशा व्यावसायिक दृष्टिकोण से अलग रखा। अगर प्रबंधतत्र की तरीका का उपहार दिया है।

बिना लाभ और लाभ के सिद्धांत पर काम कर रही यह संस्था पूरी दुनिया में धार्मिक पुस्तकों पहुंचा रही है। बहुत ही कम लोग जानते हैं कि गीता प्रेस लागत से 1,088 पृष्ठों में किया 100 करोड़ की पुस्तकों का प्रकाशन

29 अप्रैल, 1923 को गीता प्रेस की स्थापना हुई थी। 100 वर्षों से गीताप्रेस लोगों में अनवरत आध्यात्मिक चेतना को समृद्ध कर

रहा है। इस डिजिटल सुग्रे में भी गीताप्रेस के पाठकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अपने 100 वर्षों वाली शताब्दी वर्ष में अब तक का अपना ही रिकार्ड तोड़ा है और 100 करोड़ रुपये मूल्य से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन किया है।

द्रस्टी गीता प्रेस के स्थापना के समय ही संस्थापक जयदाल गोवांदका के अपांतों की व्यवस्था कर दी थी, किंतु भगवान की सेवा में कभी भी किसी तरह का विचार न आए और समाज के अंतिम व्यक्ति तक भगवान की वाणी धार्मिक पुस्तक के स्पष्ट में पहुंच सके। गोवांदका के बाद जो भी लोग भी इस सिद्धांतों पर काम करते हुए परंपरा को आगे बढ़ाया है।

समाज के साथ गीता प्रेस ने प्रिंटिंग की मरीचने भी आधुनिक की है। अब वहाँ प्रिंटिंग के लिए जापान की कोमोरी और सिलाइंड के स्टिटजरलैंड के आधुनिक सिलाइंड मशीन का प्रयोग किया जा रहा है।

